

## निक्की जही मन ले तू गल माये मेरिये

निक्की जही मन ले तू गल माये मेरिये  
दुःखा मेरेया दा कर तू हल माये मेरिये  
निक्की जही मन ले तू गल माये मेरिये

पेहला दुःख मुकदा नही दूजा दब लेनदा ऐ,  
पता नही घर मेरा किथो लभ लेनदा ऐ.  
होर दुःख नहियो हुँदै चल माये मेरिये  
दुःखा मेरेया दा कर तू हल माये मेरिये

थक गया ठोकरा ते थेड़े माये खा के  
तू भी कदे पूछेया न हाल मेरा आ के  
इक वारी तक मेरे वल माये मेरिये  
दुःखा मेरेया दा कर तू हल माये मेरिये

तेरे सिवा दुःख किसे होर नु सुनाना नही  
तेरे बिना किसे मेनू गल नाल लौना नही  
आवे तेरी याद हर पल माये मेरिये,  
दुःखा मेरेया दा कर तू हल माये मेरिये

आस लेके आया साहिल आस माये तोड़ी न  
करी न निराश मेनू खाली माये मोडी न  
हूँ न तू करी अज कल माये मेरिये  
दुःखा मेरेया दा कर तू हल माये मेरिये

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/19015/title/nikki-jahi-mn-le-tu-gl-maaye-meriye>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |